JL – 19/14

Hindi

Paper – I

Time : 3 hours

Full Marks : 200

The questions are of equal value.

*Answer **all** questions.*

*Write the answers in **Devanagari Scripts**.*

1. आदिकालीन रासो काव्य परम्परा पर प्रकाश डालते हुए 'पृथ्वीराज रासो' की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

भक्ति-काल की आविर्भावकालीन परिस्थितियों पर विचार करते हुए उसे 'स्वर्णकाल' कहने की यथार्थता प्रतिपादित कीजिए ।

2. ''हिन्दी साहित्य में आधुनिक युग-प्रवर्त्तन की महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हुए भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने जो-जो कदम उठाये थे, उसे विकास की दिशा में ले जाने का सफल प्रयास किया है आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने ।'' विवेचन कीजिए ।

अथवा

'प्रयोगवाद' की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार करते हुए यह बताइए कि क्या 'नई कविता' उसी का बढ़ाव है या अपना कोई स्वातन्त्र्य भी रखती है ?

3. भक्ति-साहित्य को गोस्वामी तुलसी दास के अवदान के बारे में विस्तार से वर्णन कीजिए ।

अथवा

रीति-मुक्त काव्य परम्परा के उन्नायक के रूप में चर्चित घनानन्द की रचनाओं के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

4. आंचलिक उपन्यास की परिभाषा स्पष्ट करते हुए 'मैला आँचल' की तात्त्विक समीक्षा कीजिए ।

अथवा

चरित्रांकन की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' की आलोचना कीजिए ।

5. 'अशोक के फूल' के आधार पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध-शैली का परिचय दीजिए ।

अथवा

'काव्य-कला तथा अन्य निबन्ध' ग्रंथ के परिप्रेक्ष्य में जयशंकर प्रसाद की काव्य-दृष्टि का परिचय दीजिए ।